कार्य का नामः– जनपद पिथौरागढ़ में रांथी –जुम्मा–खेला–गर्गुवा–खेत मोटर मार्ग एवं सेतु का नवनिर्माण। (घोषणा संख्या 121/2010) लम्बाई 30.00 किमी0+1सेतु

प्रस्तावित कार्य हेतु वनभूमि के मांग का पूर्ण औचित्य

वर्तमान में ग्राम **राथी, जुम्मा** ओर **स्यांकुरी** की लगभग **9662** जनसंख्या को अपने दैनिक उपभोग की सामाग्री प्राप्त करने के लिये 30.00 से 35.00 कि0मी0 पैदल पहाडी विशम रास्तों से चलकर जाना पडता है क्योंकि उन गांवों को जोडने हेतु कोई मोटर मार्ग नही है। निकटस्थ मोटर मार्ग की दूरी **30** कि0मी0 होने के कारण गांव में किसी के बिमार होने पर कठिन रास्तों से डोली या कंधे में मरीज को लाने तथा मोटर मार्ग से चिकित्सालय तक पहुंचने में अत्यन्त देरी होती है जिस कारण अनेक लोग हर रोज खतरों में जीवन यापन कर रहे हैं।

यह क्षेत्र मोटर मार्ग से जुडा हुआ नही होने के कारण पिछडा हुआ है। ग्रामिणों का मुख्य व्यवसाय खेती बाडी एवं भेड़पालन है। अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचने में ग्रामीणों को पहाड़ के फिसलन भरे रास्तों से जाने आने में प्रतिदिन कठिनाईयों का सामना करना पडता

इस मार्ग में आ रही न्यूनतम वनभूमि **9.655** हे0 के हस्तान्तरण हेतु यह प्रस्ताव गठित किया जा रहा है। विस्तृत सर्वेक्षण के उपरान्त प्रस्तावित संरेखन के अलावा अन्य कोई सरलतम मार्ग नही होने के कारण इस संरेखन के अलावा अन्य किसी संरेखन में इससे कम वनभूमि एवं कम वृक्ष नही आ रहे हैं। मोटर मार्ग का भूगर्भिय सर्वेक्षण कर लिया गया है एवं उनके द्वारा मोटर मार्ग बनाया जाना उचित माया गया है। इस मार्ग में कोई एतिहासिक भवन, राश्ट्रीय संरक्षित क्षेत्र, धार्मिक भवन एवं कब्रिस्तान नही पड़ रहे हैं।

इस मोटर मार्ग के बनने से ग्रामिणों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में वृद्वि होने से पहाडों से लोगों के पलायन को रोका जा सकेगा एवं पर्वतीय उपयोगी उत्पाद प्राप्त होंगे।

उक्त परिपेक्ष्य में क्षेत्रिय जनता की सामाजिक आव यकता की पूर्ति हेतु इस मोटर मार्ग का बनाया जाना अति आव यक है। अतः कुल **9.655** हे0 वनभूमि प्रत्यावर्तन के लिये यह प्रस्ताव स्वीकृति हेतु प्रस्तुत है।

JE

प्रभागीय वन अधिकारी
पिथौरागढ़ वन प्रभाग
पिथौरागढ़

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो० नि० वि०
बेरीनाग (पिथौरागढ़)

Scanned by CamScanner